

India's  
No.1  
Natural  
GAS  
Company



GAIL (India) Limited

31<sup>वीं</sup> वार्षिक आम बैठक  
31<sup>st</sup> Annual General Meeting

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य  
Address of Chairman & Managing Director

16 सितम्बर, 2015  
16 September, 2015



उत्तरदायी संवृद्धि का अभिप्रेरण  
Fostering Responsible Growth



GAIL (India) Limited

GAIL Bhawan , 16 Bhikaiji Cama Place,  
R K Puram, New Delhi - 110066  
[www.gailonline.com](http://www.gailonline.com)



बी.सी. त्रिपाठी  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

## 16 सितम्बर, 2015 को गेल की 31<sup>वीं</sup> वार्षिक आम बैठक हेतु अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारको,

गेल (इंडिया) लिमिटेड की 31<sup>वीं</sup> वार्षिक आम बैठक के अवसर पर मैं आप सभी का गर्मजोशी से स्वागत करता हूँ और इस बैठक में उपस्थित होने के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूँ।

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष हेतु कम्पनी के वार्षिक खातों सहित वार्षिक रिपोर्ट पहले से आपको उपलब्ध हो चुकी है और आपकी अनुमति से मैं इसे पठित मान लेता हूँ। वार्षिक रिपोर्ट में मेरे सन्देश में कम्पनी के व्यापार सम्बन्धी अनेक तात्विक बातों को समाहित किया गया है। यहाँ मैं समग्र व्यापारिक सन्दर्भ में विकास सम्बन्धी कुछ तथ्यों को प्रस्तुत करना चाहता हूँ।

### स्थूल दृष्टिकोण

गत वार्षिक आम बैठक से लेकर अब तक वैश्विक स्थूल-आर्थिक प्रवृत्तियों के बाह्य परिवेश में काफी परिवर्तन हुआ है। तेल जिनसे की माँग एवं मूल्य में अचानक आई कमी ने प्राकृतिक गैस/एलएनजी मूल्य के ढाँचे में भी अस्थिरता उत्पन्न कर दी। चीन की आर्थिक मन्दी के कारण युआन के अवमूल्यन ने वैश्विक बाजार को हिलाकर रख दिया है और उभरती अर्थव्यवस्था के निर्यात प्रक्रिया पर दबाव डाला है। परन्तु वैश्विक हलचलों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू उपभोग की निर्भरता के कारण तेजी से प्रगतिशील है और अन्तर्राष्ट्रीय



मुद्रा कोष एवं अन्य एजेन्सियाँ वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान भारत की कुल जीडीपी दर 7-7.5% रहने का अनुमान लगा रही हैं।

### क्षेत्रीय दृष्टिकोण

गत 12 महीनों के दौरान जब हम मिले थे तब से अनेक ऐसी नीतियाँ निर्मित हुईं जिसने प्राकृतिक गैस व्यवसाय, जैसे फॉर्मूला आधारित गैस मूल्य की द्विवार्षिक घोषणा, ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्र को आर-एलएनजी की आपूर्ति हेतु मूल्य संयोजन, शहर गैस वितरण हेतु प्राथमिकता निर्धारण एवं सीमान्त तेल एवं गैस क्षेत्र की नीलामी हेतु हालिया मानदण्डों की घोषणा आदि अत्यन्त अपेक्षित साधन उपलब्ध कराये हैं।

इन कुछ नीतियों के पीछे गेल को ऊर्जा एवं उर्वरक, दोनों क्षेत्रों में गैस पूल ऑपरटर के रूप में नामित किया गया है। नीतियों में इन ढाँचागत परिवर्तनों ने विशेष रूप से ऊर्जा क्षेत्र के लिए स्पॉट आर-एलएनजी की कुल खरीद की वृद्धि में सहायता की है। सीएनजी एवं घरेलू पीएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण के कारण देश में घरेलू कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

भारत सरकार द्वारा पूर्वी भारत में उर्वरक इकाइयों को तीव्रता से पुनर्जीवित करने के निर्णय के कारण गेल ने 2050 किमी की जगदीशपुर-हल्दिया पाइपलाइन परियोजना के प्रथम चरण के निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया है। यदि अपेक्षानुसार विभिन्न सीजीडी परियोजनाओं के समकालिक अनुमोदन को सही दिशा दी जाए तो इससे जेएचपीएल के बेहतर उपयोग में सहायता मिल सकती है।

वांछित स्तर की माँग-वृद्धि में तीव्रता के लिए अनुकूल पारिस्थितिक तन्त्र की स्थापना हेतु अन्य सहायक नीतियों की आवश्यकता पड़ेगी जिसमें औद्योगिक एवं ऊर्जा अनुप्रयोगों में गैस के उपयोग में वृद्धि,



विभिन्न क्षेत्रों में प्रदूषक ईंधनों की रोक हेतु प्रशासनिक निर्देशन, समयबद्ध अनुमति की स्वीकृति एवं प्रतिष्ठापित नोडल एजेन्सी द्वारा पाइपलाइन परियोजना हेतु अन्य अनापत्तियाँ तथा राज्यों के मध्य समान करों के प्रावधान सम्मिलित हैं।

### नवीन क्षमता एवं अन्य पहल

मुझे प्रसन्नता है कि पीसी-II कार्यक्रम के तहत पेट्रोकेमिकल विस्तार के पॉलीमर उत्पादों का शीघ्र ही विपणन किया जायेगा और पाता में उपलब्ध सुविधाएँ 810 केटीए इथिलीन आधारित पॉलीमर उत्पादन हेतु भारत की सबसे बड़ी एकल इकाई होगी। इस इकाई को शीघ्र ही देश को समर्पित कर दिया जायेगा। और असम स्थित बीसीपीएल परियोजना की कमीशनिंग अपने अन्तिम चरण में है।

आपकी कम्पनी एलएनजी वाहक जलयान को भाड़े पर लेने के लिए एक संशोधित निविदा जारी कर रही है। भारत सरकार एवं केन्द्रीय मंत्रालय के संरक्षण में गेल का यह रणनीतिक कदम अभूतपूर्व है जो न केवल अगली पीढ़ी के तकनीकी रूप से उन्नत एलएनजी वाहक बेड़े के निर्माण को प्रोत्साहित करेगा बल्कि पहली बार 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत भारतीय शिपयार्ड में निर्मित होने वाले ऐसे परिष्कृत जलयानों के विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेगा। बेंगलुरु में गेल के सहायक उद्यम द्वारा सीजीडी ढाँचे को बिछाने का कार्य प्रगति पर है और उपभोक्ताओं को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कनेक्टिविटी प्रदान करने की चुनौती पूरी करने की दिशा में अग्रसर है।

### आधुनिक उपयोगिता का सृजन

आपकी कम्पनी उद्यमों की प्रक्रियाओं में आधुनिकतम तकनीकों के प्रयोग द्वारा सक्रियात्मक दक्षता सुनिश्चित करने में सतत प्रयत्नशील है। पाइप-लाइन नेटवर्क के साथ आधुनिकतम गैस गुणवत्ता मापन प्रणाली के संस्थापन की प्रक्रिया जारी है जिसमें किसी परिस्थितिवश आने वाली गैस की गुणवत्ता निर्दिष्ट सीमा से अधिक होने पर स्वतः बन्द होने की सुविधा, नेटवर्क की जीआईएस आधारित मैपिंग, जीपीएस एवं एलईएल आधारित फुटपैट्रोलिंग, उद्यम-व्यापी जोखिम आधारित विश्लेषक सॉफ्टवेयर एवं इंटीग्रेटी समाधान के सशक्तीकरण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के सहयोग से आईटी सक्रिय पाइपलाइन इंटीग्रेटी प्रबन्धन प्रणाली तथा निर्देश चिह्न आदि कुछ उत्कृष्ट समाधान हैं जिन्हें पाइपलाइन प्रचालनों के साथ समेकित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु एवं

गुजरात राज्यों में क्षेत्रीय नेटवर्क को लगभग रु.1,800 करोड़ की लागत से पूर्ण रूप से मरम्मत एवं प्रतिस्थापित किया जा रहा है। विश्वस्तरीय श्रेणी सहित सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रचालनात्मक इंटीग्रेटी को सुनिश्चित करने हेतु सौम्य कौशल पक्ष मॉड्यूल जैसे व्यवहार आधारित सुरक्षा प्रक्रियाएँ एवं प्रत्येक माह की 10 तारीख को साइट-इन-चार्ज द्वारा आवश्यक पुनरीक्षण प्रारम्भ किये गये हैं।

### कार्य-निष्पादन एवं लाभांश

कम्पनी ने घरेलू गैस की उपलब्धता में कमी, पेट्रोकेमिकल उत्पादन हेतु छँटनीकृत आपूर्ति स्टॉक तथा दीर्घकालिक गैस उपलब्धता हेतु माँग संकुचन जैसी चुनौतियों के समग्र सन्दर्भ में कुल 56,569 करोड़ डॉलर टॉपलाइन में तथा कर-पश्चात रु.3039 करोड़ का लाभ अर्जित किया। यद्यपि टॉपलाइन एवं बॉटमलाइन में गिरावट वर्ष-दर-वर्ष आधार पर क्रमशः 1.2% तथा 30.7% रही है, कम्पनी के बोर्ड ने प्रदत्त शेयर पूँजी के 60% का कुल लाभांश अनुमोदित किया है।

### निगमित नियन्त्रण

वर्ष 2014-15 हेतु कैंग द्वारा लगातार छठे वर्ष 'कोई टिप्पणी नहीं' का श्रेय दिया गया। आपकी कम्पनी अपने समस्त प्रयासों द्वारा उद्यम में नैतिक मानकों का अनुपालन करने की ओर अग्रसर रही है। आन्तरिक लेखा टीम तन्त्र को मजबूत करने के क्रम में प्रतिरोधक लेखा अपनाती है। इसी प्रकार सतर्कता टीम भी विभिन्न प्रक्रियाओं के तहत निरोधक क्रियाविधि अपनाने में सलग्न रहती है।

यह भी सूचित किया जाता है कि श्री प्रभात सिंह द्वारा त्यागपत्र देने के कारण उन्हें 14 सितम्बर, 2015 से बोर्ड निदेशक पद से मुक्त कर दिया गया है।



### विजयी मुस्कान ..... सीएसआर मार्ग

गेल ने रिकार्ड समय में 1 लाख से अधिक बच्चों के जीवन-स्तर में सुधार के लिए सरकार द्वारा लक्षित "स्वच्छ भारत-स्वच्छ विद्यालय" कार्यक्रम के तहत 100% लक्ष्य पूरा करते हुए 3700 से अधिक शौचालयों के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया। वर्ष 2009 में प्रारम्भ होने वाले प्लेगशिप कार्यक्रम 'उत्कर्ष' को पर्याप्त प्रशासनात्मक प्राप्त हुई। इस वर्ष भी 80% से अधिक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों ने आईआईटी/एनआईटी एवं अन्य तकनीकी संस्थानों में सफलता प्राप्त की है।

## निष्कर्ष

गेल अपरस्ट्रीम गैस वॉल्यूम, पारेषण तन्त्र, शहर गैस निवेश तथा पेट्रोकेमिकल परियोजनाओं को विस्तारित करती रही है। सहायक उपक्रमों के माध्यम से गेल का विदेशी उद्यम विश्व बाजार में एलएनजी व्यापार पर पकड़ एवं विपणन गतिविधियों में वृद्धि द्वारा क्रमशः विशेषज्ञता हासिल करता जा रहा है। प्रगतिशील उपायों के अतिरिक्त 'संचय' परियोजना के माध्यम से लाभवृद्धि अभियान प्रारम्भ किया गया है। आपकी कम्पनी का परिसम्पत्ति आधार देश में प्राकृतिक गैस की बढ़ती माँग की आपूर्ति करने में लाभप्रद ढंग से सहायक है। इस क्षेत्र में विपरीत परिस्थितियों के द्रुत समाधान सहित आर्थिक क्रियाओं की तीव्रता विकास की गति को बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

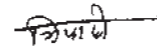
## आभार

मैं आपको कम्पनी के प्रबंधन तथा इसके अथक श्रमशक्ति के प्रति प्रतिबद्धता एवं सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं गेल को सहयोग एवं पोषित करने हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकारों एवं केन्द्रीय मंत्रालय का आभार प्रकट करता हूँ।

मैं आने वाले अच्छे कल के लिए गेल के भविष्य को सँवारने में उदारतापूर्वक अपना योगदान देने वाले बोर्ड सदस्यों की समर्पित टीम को धन्यवाद देता हूँ।

गेल की प्रतिभावान श्रमशक्ति का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूँगा जो इसकी सफलता की सबसे प्रबल शक्ति है और कम्पनी को आगे ले जाने में तथा स्टेकधारकों हेतु सम्पदा के सृजन में समर्पित प्रयास के लिए मैं उनमें से प्रत्येक को धन्यवाद देना चाहूँगा।

आप सभी सज्जनों का बहुत-बहुत धन्यवाद



(बी.सी. त्रिपाठी)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

16 सितम्बर, 2015

टिप्पणी: नई दिल्ली में दिनांक 16 सितम्बर, 2015 को आयोजित 31वीं वार्षिक आम सभा में दिए गए अध्यक्ष के भाषण का उद्धरण। यह वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही का रिकार्ड नहीं है।

## Address of Chairman & Managing Director

at 31<sup>st</sup> Annual General Meeting  
of GAIL on  
16 September, 2015



**B.C. Tripathi**  
Chairman & Managing Director

Dear Shareholders,

On this day of the 31<sup>st</sup> AGM of GAIL (India) Limited, I extend you all a very warm welcome and thank you all for making it convenient to attend this meeting.

The Annual Report including the annual accounts of the company for the year ended March 31, 2015, have already been circulated to you and with your permission I consider them as read. Many of the germane matters to the Company's business are covered in my message under the Annual Report. Here, I would take the opportunity to share a few developments in terms of the overall business context.

### Macro Outlook

The external environment in the global macro-economic trend underwent profound changes from the time we met at the last AGM. The sudden compression in the oil commodity demand and prices has transmitted volatility in the natural gas/LNG price structures also. The recent depreciation of the Yuan on account of a decelerating Chinese economy has spooked global markets and has induced stress on the export viability of the emerging economies. Even amidst the global turbulence, India is poised to be the fastest growing economy reliant on domestic consumption and as per the IMF and other agencies expect India's GDP growth rate to register 7-7.5% during the current fiscal year.

### Sectorial Overview

During the last 12 months since we met, there have been numerous policy measures that have provided the much

needed initial traction to the natural gas business, such as bi-annual announcement of a formula based gas pricing, price pooling for supplying R-LNG to power and fertilizer sectors, priority allocation for City Gas Distribution followed by the recent announcement of norms for auctioning marginal oil & gas fields.

On the back of some of these enumerated policy measures, GAIL has been nominated as the gas pool operator for both the power & fertilizer sectors. These structural shifts in the policy have helped increase off-take of spot R-LNG volumes especially for the power segment. The re-prioritization of the allocation of domestic gas for ensuring supplies to CNG and domestic PNG segments witnessed an unprecedented growth rate in the connectivity to households in the country.

Given the decision of GoI to speedily revive fertilizer units in Eastern India, GAIL commenced the construction of the first phase of the 2050 KM Jagadishpur-Haldia pipeline project. The synchronous authorization of various CGD projects enroute if taken up as expected can help better utilization of JHPL.



Acceleration towards desired levels of demand growth would require further policy support to facilitate establishing a conducive ecosystem through undertaking downstream utility sector reforms for expanding usage of gas in industrial and power applications, administrative guidance for discontinuation of polluting fuels in various sectors, granting time bound permissions and other clearances for pipeline projects through an established nodal agency and uniform application of taxes across States.

### New Capacity and Other Initiatives

I am glad to share with you that the polymer products from petrochemicals expansion under PC-II programme shall be marketed shortly and the facilities at Pata shall be the largest single site manufacturing facility for 810 KTA ethylene based polymer production in India. This plant shall soon be dedicated to the nation. And the commissioning of the BCPL project at Assam is at a final count-down stage for commissioning.

Your Company is floating a revised tender for charter hire of LNG carrier vessels. This strategic initiative pursued by GAIL under the aegis of GoI and the nodal Ministry is path-breaking for it not just encourages building of next generation of technologically advanced LNG carrier fleet but also promotes manufacturing of such sophisticated vessels at Indian Shipyards under the 'Make in India' programme for the very first time. The progress of laying the CGD infrastructure at Bengaluru by GAIL's subsidiary enterprise is in full swing and geared up to address the challenge of providing consumer connectivity as scheduled.

### Creating Smart Utility

Your Company continues to strive in ensuring operational excellence by incorporating technological advances across the processes of the enterprise. Across the pipeline networks installation of state-of-the-art gas quality measurement systems are underway with auto shut-off facility in case of incoming gas quality beyond specified



limits, GIS based mapping of network, GPS & LEL based foot patrolling, implementation of enterprise-wide Risk based Analytic software and IT enabled Pipeline Integrity Management system in collaboration with international experts for strengthening integrity solutions and benchmarks are some of the intelligent solutions that are being integrated into the pipeline operations. In addition, regional networks in the States of Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Gujarat are being completely revamped and replaced at a capital expenditure of about Rs. 1,800 crore. On the softer skills side modules such as behaviour based safety practices and compulsory review by site-in-charges on the 10th of each month are launched to ensure compliance towards safety, security and operational integrity at par with best in class global players.

### Performance and Dividend

The company grossed Rs. 56,569 crore in topline and Rs. 3039 crore in profit after tax in an overall challenging context of declining domestic gas availability, curtailed feedstock supply to petrochemicals production and demand contraction for long-term gas volumes. Although the decline in topline and bottom line has been 1.2% and 30.7% respectively on a year-on-year basis, the company's Board has recommended a total dividend of 60% of the paid-up share capital.

### Corporate Governance

GAIL has received for 6th year in a row 'NIL' comments from the CAG for FY 2014-15. Your Company has always been proactive in upholding ethical standards across the enterprise in all its endeavours. The Internal Audit team undertakes preventive audits to strengthen the systems. Similarly the Vigilance teams have also been proactively engaged on instituting preventive mechanisms under various processes.

It is also informed that Sh. Prabhat Singh consequent to his resignation ceases to be Director on Board of GAIL w.e.f. September 14, 2015.

### Winning Smiles... CSR Way

GAIL has achieved GoI's mandate by executing 100% targets under the "Swachh Bharat- Swachh Vidyalaya" initiative, completing over 3700 toilets at schools to help transform the lives of over 1 lac young minds in record time. The flagship programme 'Utkarsh' has been earning kudos since its inception in the year 2009. This year too, over 80% of the economically deprived students have successfully made it to IITs/NITs and other institutions of technology.

### Conclusion

GAIL has been on an expansionary mode in terms of securing upstream gas volumes, transmission infrastructure, city gas investments and of petrochemicals projects. GAIL's overseas enterprises through subsidiary ventures have been steadily acquiring expertise by increasing foothold in the LNG trading and marketing activity in global markets. In addition to the on-going measures, profitability maximization drive has been initiated through project 'Sanchay'. The asset base of your Company is advantageously placed to serve the growing demand for natural gas in the country. The gathering pace of economic activity accompanied with speedy resolution of headwinds confronting the sector can only but help provide further momentum to growth.

### Acknowledgement

I thank you for extending your steadfast commitment and support to the Company's Management and its untiring workforce. My gratitude is extended to the Central and State Governments and the nodal Ministry for supporting and nurturing GAIL.

I express my thanks to the committed team of Board members for their contribution and kindness in shaping the future of GAIL for a better tomorrow.

GAIL's uniquely talented workforce deserves a special mention as it has been a formidable strength behind its every success and I thank each one of them for their dedicated endeavour in creating wealth for the Stakeholders and in taking the company forward.

Thank You Ladies and Gentlemen,

(B.C. Tripathi)

Chairman & Managing Director

16 September, 2015

Note: Excerpts from the Chairman's speech at the 31<sup>st</sup> Annual General Meeting held on the 16 September, 2015 at New Delhi. This does not purport to be a record of the proceedings of the Annual General Meeting.

